भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 6315
दिनांक 02 अप्रैल, 2026

इथेनॉल मिश्रण का वाहनों और उपभोक्ताओं पर प्रभाव

†6315. श्री एम. के. राघवनः

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पुराने वाहनों और इथेनॉल-मिश्रित ईंधन पर चलने के लिए डिज़ाइन न की गई कृषि मशीनरी पर उच्च इथेनॉल मिश्रण (ई10 और ई20) के प्रभाव का कोई वैज्ञानिक या तकनीकी मूल्यांकन किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल के कारण इंजन के प्रचालन संबंधी कमी, ईंधन प्रणाली के घटकों में क्षरण और रखरखाव लागत में वृद्धि के संबंध में जनता की शिकायतों से अवगत है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का देश में इथेनॉल रहित पेट्रोल का विकल्प प्रदान करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने उन अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं का परीक्षण किया है जहाँ वाहनों की विशिष्ट श्रेणियों के लिए इथेनॉल रहित ईंधन उपलब्ध कराया जाता है और क्या भारत में ऐसा कोई मॉडल अपनाने का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या इथेनॉल मिश्रण के लक्ष्यों का विस्तार करने से पहले ऑटोमोबाइल निर्माताओं, ईंधन खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ता समूहों के साथ परामर्श किया गया था और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (ड़): नीति आयोग के तहत 26.12.2020 को गठित अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) ने, अन्य बातों के साथ-साथ, ई20 ईंधन के संबंध में वाहनों की अनुकूलता और माइलेज के विभिन्न पहलुओं की जांच की थी। इस अध्ययन को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारतीय ऑटोमोटिव अनुसंधान संघ (एआरएआई) और भारतीय ऑटोमोबाइल विनिर्माता संघ (एसआईएएम) द्वारा किए गए शोध अध्ययनों से भी समर्थन मिला। ई20 ईंधन वाले वाहनों पर किए गए व्यापक फील्ड परीक्षणों में अनुकूलता से जुड़ी कोई समस्या या ई20 का कोई नकारात्मक प्रभाव सामने नहीं आया। इन अध्ययनों ने इस बात की पुष्टि की है कि परंपरागत वाहनों के प्रदर्शन में भी कोई खास बदलाव नहीं आता और न ही ई20 के मानकों अर्थात चलाने में आसानी, स्टार्ट होने में आसानी, धातु और प्लास्टिक के साथ अनुकूलता के

तहत चलाने पर उनमें कोई असामान्य टूट-फूट देखने को मिलती है। केवल कुछ पुराने वाहनों के मामले में, कुछ रबर के पुर्जों और गैस्केट को गैर-मिश्रित ईंधन का उपयोग करने की तुलना में थोड़ा पहले बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है। यह बदलाव सस्ता है और रूटीन सर्विसिंग के दौरान आसानी से किया जा सकता है। इसे गाड़ी के पूरी सेवाकाल में एक बार किया जा सकता है और यह एक आसान प्रक्रिया है जिसे किसी भी प्राधिकृत वर्कशॉप में करवाया जा सकता है।

भारतीय ऑटोमोबाइल विनिर्माता संघ (एसआईएएम) और भारतीय ऑटोमोटिव अनुसंधान संघ (एआरएआई) के 30.08.2025 के संयुक्त बयान के अनुसार, ई20 ईंधन ई10 की तुलना में एक्सीलरेशन और राइड गुणवत्ता को बेहतर बनाता है जबकि कार्बन उत्सर्जन को लगभग 30% तक कम करता है। इथेनॉल का उच्च ऑक्टेन आधुनिक हाई-कम्प्रेशन इंजनों के लिए सहायक है और इसकी उच्च वाष्पीकरण ऊष्मा इनटेक हवा को ठंडा करके और दहन को बेहतर बनाकर दक्षता को बढ़ाती है।

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के परिणामस्वरूप, इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2014-15 से फरवरी 2026 तक किसानों को 1,50,925 करोड़ रुपये से अधिक का त्वरित भुगतान के अलावा 1,70,560 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत, लगभग 869 लाख मीट्रिक टन शुद्ध सीओ2 की कमी और 289 लाख मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल का प्रतिस्थापन हुआ है ।

*****